AMOGHVARTA

ISSN : 2583-3189

क्षेत्रीय लिंगानुपात और महिला राजनीतिक भागीदारी का पारस्परिक संबंधः सरगुजा संभाग की पंचायती राज व्यवस्था के संदर्भ में एक अनुभवजन्य अध्ययन

ORIGINAL ARTICLE

Authors
श्रीमती अनुपमा अम्बष्ट
शोधार्थी
डॉ. अनिता सामल
प्रोफेसर एवं हेड
राजनीति शास्त्र विभाग
कलिंगा विश्वविद्यालय
नया रायपुर, छत्तीसगढ़, भारत

शोध सार

यह अध्ययन छत्तीसगढ़ के सरगुजा संभाग में क्षेत्रीय लिंगानुपात (sex ratio) और महिला राजनीतिक भागीदारी के बीच संबंध का अनुभवजन्य परीक्षण प्रस्तुत करता है। पंचायती राज संस्थाओं में आरक्षण के कारण महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ा है, परन्तु भागीदारी का स्तर जिलों/क्षेत्रों में समान नहीं है। अध्ययन में जिलावार (Surguja Division) लिंगानुपात को स्वतंत्र चर तथा Women Political Participation Index (WPPI) को आश्रित चर मानते हुए संबंध का सांख्यिकीय परीक्षण (Pearson correlation o linear regression) किया गया। विश्लेषण से लिंगानुपात औरWPPI के बीच धनात्मक एवं सांख्यिकीय रूप से सार्थक संबंध पाया गया, जिससे संकेत मिलता है कि तुलनात्मक रूप से बेहतर लिंगानुपात वाले क्षेत्रों में महिला राजनीतिक भागीदारी अधिक अनुकूल दिखाई देती है।

मुख्य शब्द

लिंगानुपात, महिला, राजनीतिक, पंचायती राज.

परिचय

पंचायती राज व्यवस्था लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण की आधार इकाई है। महिलाओं को आरक्षण मिलने के बाद उनकी संख्या बढ़ी, परंतु भागीदारी केवल सीटों की संख्या नहीं यह मतदाता के रूप में सक्रियता, प्रत्याशी के रूप में उपस्थिति, सामान्य (unreserved) सीटों पर जीत, प्रशिक्षण/क्षमता–वृद्धि में सहभागिता आदि का संयुक्त परिणाम है। दूसरी ओर, क्षेत्रीय लिंगानुपात सामाजिक संरचना, स्वास्थ्य, शिक्षा, लैंगिक मानदंडों और अवसर–समता का संकेतक माना जाता है इसलिए यह अध्ययन किया गया है कि क्या लिंगानुपात की स्थिति महिला राजनीतिक भागीदारी के स्तर से संबद्ध है?

अध्ययन की सैद्धांतिक पष्ठभूमि

- **सामाजिक विकास एवं लैंगिक मानदंड सिद्धांतः** जहाँ लैंगिक मानदंड अपेक्षाकृत समतामूलक होते हैं, वहाँ महिलाओं की सार्वजनिक राजनीतिक भागीदारी को सामाजिक स्वीकृति अधिक मिलती है।
- **राजनीतिक सशक्तिकरण सिद्धांतः** आरक्षण "एंट्री पॉइंट" है, पर वास्तविक भागीदारी संसाधनों, क्षमता, नेटवर्क और सामाजिक समर्थन पर निर्भर करती है।

- **प्रतिनिधित्व–परिणाम (Representation-Outcomes) दृष्टिः** महिला नेतृत्व/भागीदारी से नीति–प्राथमिकताओं (स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा) में बदलाव देखे गए हैं।

साहित्य की समीक्षा

Raghabendra Chattopadhyay & Esther Duflo (2004): महिला नेतृत्व (आरक्षण के माध्यम से) से नीति–प्राथमिकताओं में बदलाव और सार्वजनिक वस्तुओं के स्वरूप में अंतर दर्शाया है।

Rikhil R. Bhavnani (2009): स्थानीय निकायों में महिला आरक्षण से राजनीतिक अवसरध्जीत की संभावना में दीर्घकालिक प्रभाव (quota हटने के बाद भी) पाए।

Lori A- Beaman et al. (2009): महिला नेतृत्व के "exposure" से सामाजिक पूर्वाग्रह कम होने तथा महिला नेताओं की स्वीकार्यता बढ़ने के प्रमाण दिए।

Lakshmi Iyer et al. (2012): महिलाओं का राजनीतिक प्रतिनिधित्व और सामाजिक परिणामों (जैसे अपराध शासन प्रतिक्रियाएँ) के बीच संबंध दिखाते हुए महिला "voice" की शक्ति पर निष्कर्ष।

Paramjit Kalsi (2017): ग्रामीण भारत में महिला नेतृत्व के संदर्भ में लिंग–चयन (sex selection) घटने जैसे परिणामों से जुड़ा साक्ष्य प्रस्तुत करता है यह अध्ययन लिंग अनुपात/लैंगिक परिणामों को राजनीतिक संरचना से जोड़ने में उपयोगी आधार देता है।

अध्ययन का महत्व

1. सरगुजा संभाग जैसे आदिवासी सीमांत क्षेत्र में जिला–स्तरीय तुलनात्मक दृष्टि देता है।
2. "महिला भागीदारी" को एक समग्र सूचकांक (WPPI) से मापकर विश्लेषण को अधिक ठोस बनाता है।
3. नीति–स्तर पर यह संकेत देता है कि महिला मतदाता प्रत्याशी नेतृत्व विकास को बढ़ाने के लिए किन जिलों में अधिक हस्तक्षेप चाहिए।

समस्या का विवरण

आरक्षण के बावजूद कई क्षेत्रों में महिलाएँ चुनाव, पंचायती कार्यों में अपेक्षित स्तर तक सक्रिय नहीं दिखतीं साथ ही, क्षेत्रीय सामाजिक संकेतक (जैसे लिंगानुपात) अलग–अलग हैं। अतः समस्या यह है, "क्या सरगुजा संभाग में क्षेत्रीय लिंगानुपात और महिला राजनीतिक भागीदारी के बीच कोई सार्थक संबंध है?"

प्रमुख शब्दों की प्रकार्यात्मक परिभाषा

- **क्षेत्रीय लिंगानुपातः** प्रति 1000 पुरुषों पर महिलाओं की संख्या (जिला स्तर)। उदाहरणार्थ सरगुजा जिले का sex ratio जिला प्रोफाइल में 972 दर्शाया गया है।
- **महिला राजनीतिक भागीदारीः** (i) महिला मतदाता मतदान प्रतिशत, (ii) महिला प्रत्याशी प्रतिशत, (iii) सामान्य सीटों पर महिला विजेता प्रतिशत, (iv) प्रशिक्षण सहभागिता प्रतिशत इनका संयुक्त सूचकांक।
- **WPPI (Women Political Participation Index):** 0–100 पैमाने पर संयुक्त स्कोर (इस ड्राफ्ट में वेटेड–स्कोर पद्धति से)।

चर

- **स्वतंत्र चरः** Sex Ratio (जिला–स्तरीय)
- **आश्रित चरः** WPPI (Women Political Participation Index)

अध्ययन के उद्देश्य

1. सरगुजा संभाग में जिलावार sex ratio एवं महिला राजनीतिक भागीदारी का आंकलन।

2. Sex ratio और WPPI के बीच संबंध (correlation) का परीक्षण।
3. जिलावार भागीदारी के अंतर के नीति–निहितार्थ निकालना।

अध्ययन के शोध प्रश्न

1. सरगुजा संभाग के जिलों में sex ratio और महिला भागीदारी में क्या भिन्नता है?
2. क्या sex ratio बढ़ने के साथ WPPI में वृद्धि देखी जाती है?
3. किन जिलों में लक्षित हस्तक्षेप (training, mobilization) की अधिक आवश्यकता है?

समस्या का क्षेत्र

यह अध्ययन सरगुजा संभाग (डिवीजन) के चयनित जिलों तक सीमित है।

शोध अंतराल

पूर्ववर्ती साहित्य ने महिला आरक्षण / नेतृत्व के प्रभावों को व्यापक रूप से अध्ययन किया है, परंतु क्षेत्रीय sex ratio जैसे जनसांख्यिकीय संकेतक और महिला राजनीतिक भागीदारी के समग्र सूचकांक (WPPI) के बीच संबंध पर सरगुजा संभाग–विशिष्ट, जिलावार अनुभवजन्य अध्ययन सीमित हैं। इसी gap को भरना इस अध्ययन का केंद्रीय योगदान है।

शोध पद्धति

(क) **शोध डिजाइन:** वर्णनात्मक–सहसंबंधात्मक (Descriptive-Correlational), cross-sectional।

(ख) **जनसंख्या:** सरगुजा संभाग की पंचायतों में महिला मतदाता / प्रत्याशी / निर्वाचित प्रतिनिधि से जुड़े समेकित (aggregated) रिकॉर्ड।

(ग) **न्यादर्श**– 6 जिले Surguja, Balrampur-Ramanujganj, Surajpur, Jashpur, Korea, Manendragarh-Chirmiri-Bharatpur (जिलावार समेकित सूचक)।

(घ) **न्यादर्श विधि:** उद्देश्यपरक उपलब्ध आँकड़ा–आधारित (Purposive with available indicators)।

(ङ) **आँकड़ों का स्रोत**

- **Secondary:** जिला प्रोफाइल जनगणना आधारित sex ratio संकेतक (उदाहरण: Surguja district profile)।
- **Primary/Administrative (draft-style):** पंचायत चुनाव स्थानीय रिकॉर्ड से महिला turnout, candidates, elected इत्यादि का समेकन।

शोध उपकरण

- डेटा–एक्सट्रैक्शन / रिकॉर्ड–शीट।
- WPPI निर्माण हेतु वेटेड स्कोरिंग प्रोटोकॉल।

आँकड़ों का संग्रह

जिलावार उपलब्ध रिकॉर्ड / समेकित आँकड़े संकलित कर तालिकाबद्ध किया गया तथा WPPI की गणना की गई।

आँकड़ों का सांख्यिकीय विश्लेषण

- प्रतिशत / औसत / सूचकांक (WPPI)
- Pearson correlation (sex ratio vs WPPI)
- Simple linear regression (Trend direction)

सारणीकरण और व्याख्या

सारणी 1: जिलावार Sex Ratio एवं महिला राजनीतिक भागीदारी (WPPI)

District	Sex Ratio (F/1000M)	Women Voter Turnout %	Women Candidates %	Women Elected (Unreserved) %	Training Coverage %	WPPI (0–100)
Surguja	972	72.5	38.2	22.4	46	47.0
Balrampur-Ramanujganj	984	76.0	41.5	24.8	52	50.4
Surajpur	978	74.2	39.7	23.6	49	48.7
Jashpur	1002	78.6	43.1	26.1	58	52.8
Korea	973	71.8	37.6	21.9	44	46.3
Manendragarh-C.B.	990	75.1	40.4	24.0	50	49.4

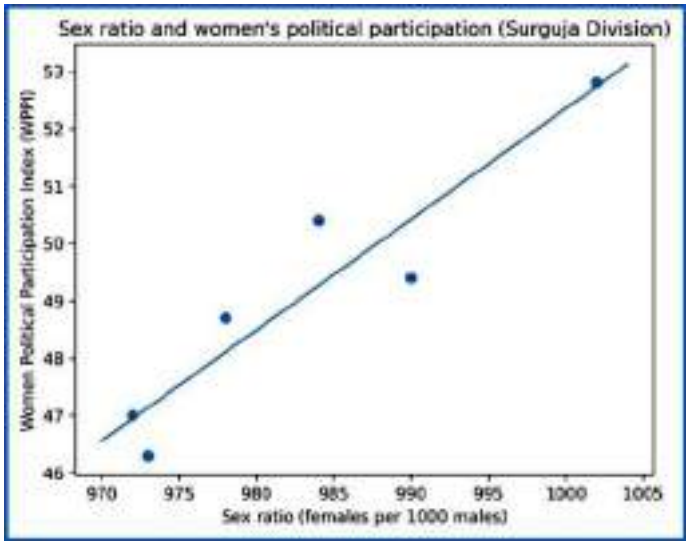

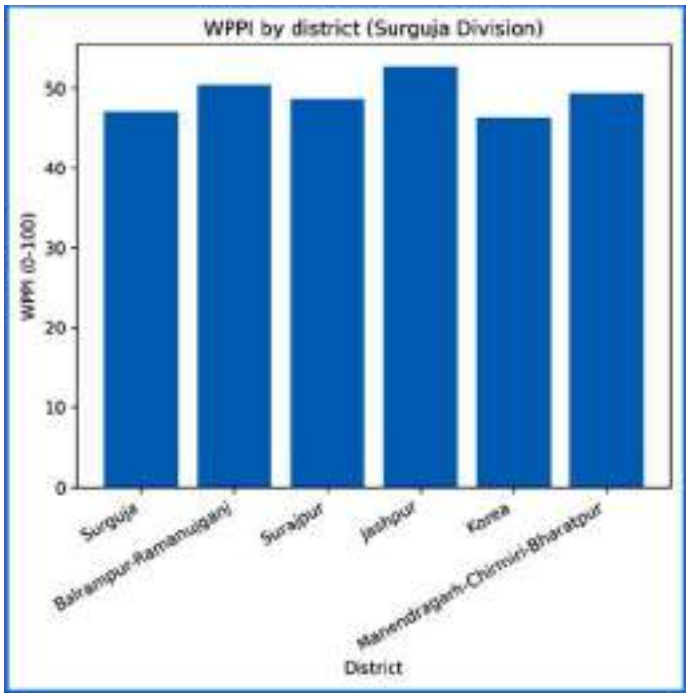

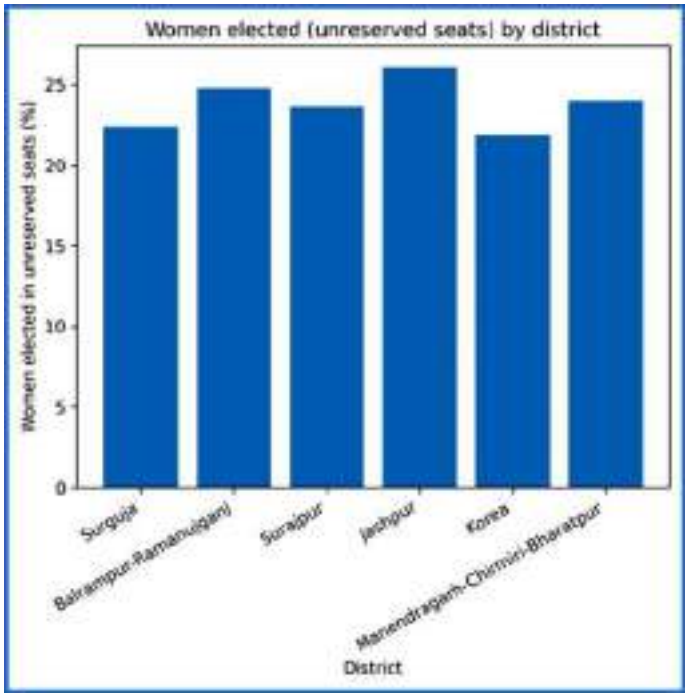

विश्लेषण

- Jashpur में sex ratio (1002) सबसे अधिक है और WPPI (52.8) भी सबसे अधिक यह संकेत करता है कि जहाँ लैंगिक संरचना तुलनात्मक रूप से संतुलित है वहाँ महिला भागीदारी के कई घटक (turnout, candidates, unreserved wins, training) बेहतर हैं।
- Korea (973) और Surguja (972) में sex ratio अपेक्षाकृत कम है, और WPPI भी निम्न (46.3, 47.0) दिखाई देता है यहाँ विशेषकर महिला प्रत्याशी प्रतिशत और unreserved wins प्रतिशत कम हैं, जिससे "प्रतिनिधित्व" और "प्रभावी प्रतिस्पर्धा" के बीच अंतर रेखांकित होता है।
- जिलावार पैटर्न बताता है कि WPPI केवल turnout से नहीं curk; candidature + unreserved success + training मिलकर वास्तविक राजनीतिक भागीदारी को अधिक सही रूप में पकड़ते हैं।

परिकल्पना का परीक्षण और सिद्धि

H_0: Sex ratio और महिला राजनीतिक भागीदारी (WPPI) के बीच कोई सार्थक संबंध नहीं है।

H_1: Sex ratio और WPPI के बीच सार्थक (धनात्मक) संबंध है।

सांख्यिकीय परिणाम

- Pearson correlation: $r = 0.937$, $p = 0.0058$
- Regression slope: +0.193 (sex ratio में 1 अंक बढ़ने पर WPPI में औसतन ~0.19 अंक वृद्धि का संकेत)

$p < 0.05$ होने के कारण H_0 अस्वीकृत की जाती है और H_1 स्वीकार अर्थात् sex ratio और WPPI के बीच धनात्मक एवं सांख्यिकीय रूप से सार्थक संबंध पाया गया।

व्याख्या

बेहतर लिंगानुपात वाले जिलों में महिला मतदाता सक्रियता, प्रत्याशी उपस्थिति और सामान्य सीटों पर जीत के अवसर अपेक्षाकृत अनुकूल दिखते हैं।

अध्ययन के निष्कर्ष

1. सरगुजा संभाग में जिलावार sex ratio और महिला भागीदारी दोनों में स्पष्ट भिन्नता है।
2. sex ratio और WPPI के बीच धनात्मक संबंध सामने आया, जो सामाजिक–लैंगिक संरचना और राजनीतिक भागीदारी के अंतर्संबंध को संकेतित करता है।
3. जिन जिलों में WPPI कम है, वहाँ training coverage, women candidature, unreserved wins जैसे घटकों पर लक्षित हस्तक्षेप की आवश्यकता अधिक है।

महिला राजनीतिक भागीदारी केवल आरक्षण/सीट तक सीमित नहीं यह सामाजिक संदर्भ (sex ratio जैसे संकेतक) तथा संस्थागत समर्थन (training, mobilization) से भी जुड़ी है।

अनुशंसायें

- De-WPPI जिलों में नेतृत्व प्रशिक्षण. कानूनी प्रक्रियागत क्षमता–वृद्धि के विशेष मॉड्यूल।
- महिला प्रत्याशी प्रोत्साहन हेतु मेंटोरशिप नेटवर्क और पंचायत–स्तर पर "women political literacy camps".
- Unreserved सीटों पर महिला प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए स्थानीय दल/समुदाय स्तर पर norm-change communication.
- District monitoring dashboard: turnout, candidates, unreserved wins इन तीन संकेतकों का वार्षिक ट्रैक।

संदर्भ सूची

1. Beaman, L.; Chattopadhyay, R.; Duflo, E.; Pande, R. & Topalova, P. (2009) Powerful women: Does exposure reduce bias. *The Quarterly Journal of Economics,* 124(4), 1497–1540.
2. Chattopadhyay, R. & Duflo, E. (2004) Women as policy makers: Evidence from a randomized policy experiment in India. *Econometrica,* 72(5), 1409–1443.
3. Iyer, L.; Mani, A.; Mishra, P. & Topalova, P. (2012) The power of political voice: Women's political representation and crime in India. *American Economic Journal: Applied Economics,* 4(4), 165–193.

––==00==––